

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p><b>Collect</b><br/>                 O Lord, we beseech you mercifully to hear the prayers of your people who call upon you; and grant that they may both perceive and know what things they ought to do, and also may have grace and power faithfully to fulfil them; through Jesus Christ your Son our Lord, who is alive and reigns with you, in the unity of the Holy Spirit, one God, now and for ever</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        | <p><b>دعای شروع مراسم مقدس</b><br/>                 پروردگارا، عاجزانه درخواست می کنیم از روی رحمت به دعای مردمانت که تو را می خوانند گوش فرا ده؛ و به آنها یاری رسان که هم درک کنند و هم بفهمند که چه باید بکنند، و همچنین فضل و قدرت را به وفور داشته باشند که آنرا به انجام برسانند، بواسطه فرزندت و خداوندان عیسی مسیح، کسی که زنده است و با تو حکومت می کند، در وحدت روح القدس، خدایی یکتا، تا ابدالابد.</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| <p><b>Habakkuk 1:1-4; 2:1-4</b><br/>                 The oracle that the prophet Habakkuk saw. O LORD, how long shall I cry for help, and you will not listen? Or cry to you "Violence!" and you will not save? Why do you make me see wrong-doing and look at trouble? Destruction and violence are before me; strife and contention arise. So the law becomes slack and justice never prevails. The wicked surround the righteous-- therefore judgment comes forth perverted. I will stand at my watchpost, and station myself on the rampart; I will keep watch to see what he will say to me, and what he will answer concerning my complaint. Then the LORD answered me and said: Write the vision; make it plain on tablets, so that a runner may read it. For there is still a vision for the appointed time; it speaks of the end, and does not lie. If it seems to tarry, wait for it; it will surely come, it will not delay. Look at the proud! Their spirit is not right in them, but the righteous live by their faith.</p> | <p><b>حبقوق ۱: ۱-۴، ۲: ۱-۴</b><br/>                 این است پیغامی که خداوند در رؤیا به حبقوق نبی نشان داد. ای خداوند، تا به کی از تو کمک بطلبم تا مرا اجابت فرمایی؟ هر چه فریاد برمی آورم بی فایده است، زیرا تو ما را از ظلم نجات نمی دهی. تا به کی باید ناظر این بی عدالتی ای که اطراف مرا گرفته است باشم؟ چرا کاری نمی کنی؟ به هر جا که نگاه می کنم خرابی و ظلم می بینم، همه جا را جنگ و دشمنی فرا گرفته است. قانون اجرا نمی شود و دادگاهها، عدالت را بجا نمی آورند. شروران، درستکاران را در تنگنا گذاشته اند و عدالت مفهوم خود را از دست داده است. اکنون از برج دیده بانی خود بالا می روم و منتظر می مانم تا ببینم خداوند به شکایت من چه جواب می دهد. خداوند به من فرمود: "آنچه را به تو نشان می دهم با خطی درشت و خوانا بر تخته سنگی بنویس تا هر کس بتواند با یک نگاه آن را بخواند. اگر چه آنچه به تو نشان می دهم در حال حاضر اتفاق نمی افتد، ولی مطمئن باش که سرانجام در وقت معین بوقوع خواهد پیوست. هر چند تا وقوع آن، مدت زیادی طول بکشد، ولی منتظر آن باش، زیرا وقوع آن حتمی و بدون تأخیر خواهد بود. این را بدان که بدکاران نابود خواهند شد زیرا به خود متکی هستند، اما درستکاران زنده خواهند ماند زیرا به خدا ایمان دارند."</p> |
| <p><b>Psalms 37:1-9</b><br/>                 Do not fret because of the wicked; do not be envious of wrongdoers, for they will soon fade like the grass, and wither like the green herb. Trust in the LORD, and do good; so you will live in the land, and enjoy security. Take delight in the LORD, and he will give you the desires of your heart. Commit your way to the LORD; trust in him, and he will act. He will make your vindication shine like the light, and the justice of your cause like the noonday. Be still before the LORD, and wait patiently for him; do not fret over those who prosper in their way, over those who carry out evil devices. Refrain from anger, and forsake wrath. Do not fret--it leads only to evil. For the wicked shall be cut off, but those who wait for the LORD shall inherit the land.</p>                                                                                                                                                                                               | <p><b>مزامیر ۳۷: ۱-۹</b> بسبب بدکاران خود را آزرده خاطر مکن و بر آدمهای شرور حسد مبر. آنها مانند علف بی دوام، بزودی پژمرده شده، از بین خواهند رفت. بر خداوند توکل نما و نیکویی کن تا در زمین خود در کمال امنیت زندگی کنی. با خدا خوش باش و او آرزوی دلت را به تو خواهد داد. خودت را به خداوند بسپار و بر او تکیه کن و او تو را یاری خواهد داد؛ او از حق تو دفاع خواهد کرد و خواهد گذاشت حقانیت تو مانند روز روشن بر همه آشکار شود. در حضور خداوند سکوت نما و با صبر و شکیبایی منتظر عمل او باش. به کسانی که با نیرنگ و حيله در زندگی موفق می شوند، حسادت موز. خشم و غضب را ترک کن. خاطر خود را آزرده مساز تا گناه نکنی. کسانی که انتظار خداوند را می کشند از برکات او برخوردار خواهند شد.</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
| <p><b>2 Timothy 1:1-14</b><br/>                 Paul, an apostle of Christ Jesus by the will of God, for the sake of the promise of life that is in Christ Jesus, To Timothy, my beloved child:</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      | <p><b>دوم تیموتئوس ۱: ۱-۱۴</b> از طرف من، پولس، که طبق درخواست خدا فرستاده عیسی مسیح هستم، و مأموریت یافته ام که این وعده خدا را در همه جا اعلام کنم که هر که به مسیح ایمان آورد، زندگی جاوید خواهد یافت؛ به فرزند عزیزم تیموتائوس. از درگاه خدای پدر و خداوندان عیسی مسیح، طالب فیض و رحمت و آرامش برای تو می باشم.</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |

Grace, mercy, and peace from God the Father and Christ Jesus our Lord.

I am grateful to God--whom I worship with a clear conscience, as my ancestors did--when I remember you constantly in my prayers night and day. Recalling your tears, I long to see you so that I may be filled with joy. I am reminded of your sincere faith, a faith that lived first in your grandmother Lois and your mother Eunice and now, I am sure, lives in you. For this reason I remind you to rekindle the gift of God that is within you through the laying on of my hands; for God did not give us a spirit of cowardice, but rather a spirit of power and of love and of self-discipline. Do not be ashamed, then, of the testimony about our Lord or of me his prisoner, but join with me in suffering for the gospel, relying on the power of God, who saved us and called us with a holy calling, not according to our works but according to his own purpose and grace. This grace was given to us in Christ Jesus before the ages began, but it has now been revealed through the appearing of our Saviour Christ Jesus, who abolished death and brought life and immortality to light through the gospel. For this gospel I was appointed a herald and an apostle and a teacher, and for this reason I suffer as I do. But I am not ashamed, for I know the one in whom I have put my trust, and I am sure that he is able to guard until that day what I have entrusted to him. Hold to the standard of sound teaching that you have heard from me, in the faith and love that are in Christ Jesus. Guard the good treasure entrusted to you, with the help of the Holy Spirit living in us.

چقدر خدا را برای وجود تو شکر می‌کنم! هر روز برایت دعا می‌کنم و بسیاری از شبها تا دیر وقت به خدای خود التماس می‌کنم که تو را مورد لطف بی‌پایان خود قرار دهد. او خدای اجداد من و خدای من است، و تنها آرزویم در زندگی اینست که رضایت او را فراهم سازم.

نمی‌دانی چقدر مشتاق دیدارت هستم و تا چه حد از دیدن مجدد تو شاد خواهم شد، زیرا همیشه اشکهایی را که به هنگام وداع می‌ریختی، بیاد دارم. هیچگاه از یاد نمی‌برم چه ایمان خالصی به خداوند داشتی، درست مانند مادرت "افنیک" و مادر بزرگت "لوئیز"؛ و اطمینان دارم که حالا نیز ایمانت به همان اندازه مستحکم است. به همین جهت، می‌خواهم یادآوری کنم که آن عطای الهی را که در توست شعله‌ور سازی، همان عطایی که خدا به هنگام دعا و قرار گرفتن دستهای من بر سر تو، در وجود تو قرار داد. زیرا آن روحی که خدا به ما داده است، در ما ترس بوجود نمی‌آورد، بلکه ما را سرشار از محبت و قدرت می‌سازد و ما را یاری می‌دهد تا بتوانیم خود را تحت انضباط قرار دهیم.

اگر این عطای الهی را در وجودت شعله‌ور نگاه داری، هرگز بیم نخواهی داشت از اینکه به مردم اعلام کنی که مسیح نجات دهنده همه است؛ در ضمن، شرمگین نخواهی شد که از من بعنوان دوست خود یاد کنی، دوستی که بخاطر مسیح در زندان است. بلکه برعکس، خودت نیز حاضر خواهی بود بخاطر انجیل مسیح همراه من رنج و زحمت بکشی، و خدا تو را در این زحمات تقویت خواهد نمود. این خداست که ما را نجات داد و برای خدمت خود برگزید، نه بدلیل لیاقت ما، بلکه بسبب اینکه پیش از آفرینش جهان اراده فرموده بود لطف و محبت خود را بوسیله عیسی مسیح به ما نشان دهد. حال، با ظهور نجات دهنده‌مان عیسی مسیح، اراده او آشکار شده است؛ او قدرت مرگ را درهم شکست، و به ما راه ورود به زندگی جاوید را نشان داد که همانا ایمان آوردن به پیغام انجیل اوست؛

و برای اعلام و تعلیم همین پیغام است که خدا مرا برگزیده تا رسول و فرستاده او در میان غیریهودیان باشم به همین دلیل است که در این زندان متحمل زحمات هستم، اما شرمگین نیستم زیرا می‌دانم به چه کسی ایمان آورده‌ام و یقین دارم که او می‌تواند امانتی را که به او سپرده‌ام، تا روز بازگشت خود محفوظ نگاه دارد. به سخنان و تعالیم صحیحی که از من شنیدی، محکم بچسب و از آنها سرمشق بگیر، بخصوص از ایمان و محبتی که عیسی مسیح عطا می‌کند. آن امانت نیکو، یعنی عطای الهی را به کمک روح القدس که در وجود تو ساکن است، حفظ کن.

**Luke 17:5-10**

The apostles said to the Lord, "Increase our faith!" The Lord replied, "If you had faith the size of a mustard seed, you could say to this mulberry tree, 'Be uprooted and planted in the sea,' and it would obey you. "Who among you would say to your slave who has just come in from ploughing or tending sheep in the field, 'Come here at once and take your place at the table'? Would you not rather say to him, 'Prepare supper for me, put on your apron and serve me while I eat and drink; later you may eat and drink'? Do you thank the slave for doing what was commanded? So you also, when you have done all that you were ordered to do, say, 'We are worthless slaves; we have done only what we ought to have done!'"

**انجیل لوقا ۱۷: ۵-۱۰**

روزی رسولان به عیسی‌ای خداوند گفتند: "ایمان ما را زیاد کن." عیسی فرمود: "اگر ایمانتان به اندازه دانه ریز خردل می‌بود، می‌توانستید به این درخت توت دستور بدهید که از جایش کنده شده، در دریا کاشته شود، و درخت هم از دستور شما اطاعت می‌کرد." "وقتی خدمتکاری از شخم زدن یا گوسفندچرانی به خانه باز می‌گردد، فوری نمی‌نشیند تا غذا بخورد؛ بلکه ابتدا خوراک اربابش را حاضر می‌کند و شام او را می‌دهد، سپس خودش می‌خورد. کسی نیز از او تشکر نمی‌کند، زیرا وظیفه‌اش را انجام می‌دهد. به همین صورت، شما نیز وقتی دستورات مرا اجرا می‌کنید، انتظار تعریف و تمجید نداشته باشید، چون فقط وظیفه خود را انجام داده‌اید."

**Prayer after Communion**

Almighty God,  
you have taught us through your Son  
that love is the fulfilling of the law;  
grant that we may love you with our whole heart  
and our neighbours as ourselves;  
through Jesus Christ our Lord.

**دعای پس از عشاء ربانی**  
خداوند قادر مطلقه واسطه فرزندت به ما آموختی  
شریعت از طریق محبت به تحقق می‌رسد: ما را یاری که که با تمام قلبمان  
تو را دوست داشته باشیم و همسایگانمان را به سان خودمان؛  
در نام خداوندمان عیسی مسیح.

### *A reading from the prophecy of Habbakuk:*

The oracle that the prophet Habakkuk saw. O LORD, how long shall I cry for help, and you will not listen?  
Or cry to you "Violence!" and you will not save? Why do you make me see wrong-doing and look at trouble?  
Destruction and violence are before me; strife and contention arise. So the law becomes slack and justice never prevails.  
The wicked surround the righteous-- therefore judgment comes forth perverted. I will stand at my watchpost, and station myself on the rampart; I will keep watch to see what he will say to me, and what he will answer concerning my complaint.  
Then the LORD answered me and said: Write the vision; make it plain on tablets, so that a runner may read it.  
For there is still a vision for the appointed time; it speaks of the end, and does not lie.  
If it seems to tarry, wait for it; it will surely come, it will not delay. Look at the proud!  
Their spirit is not right in them, but the righteous live by their faith.

این است پیغمبری که خداوند در رؤیا به حبقوق نبی نشان داد.

ای خداوند، تا به کی از تو کمک بطلبم تا مرا اجابت فرمایی؟ هر چه فریاد برمی آورم بی فایده است، زیرا تو ما را از ظلم نجات نمی دهی. تا به کی باید ناظر این بی عدالتی ای که اطراف مرا گرفته است باشم؟ چرا کاری نمی کنی؟ به هر جا که نگاه می کنم خرابی و ظلم می بینم، همه جا را جنگ و دشمنی فرا گرفته است.

قانون اجرا نمی شود و دادگاهها، عدالت را بجا نمی آورند. شروران، درستکاران را در تنگنا گذاشته اند و عدالت مفهوم خود را از دست داده است. اکنون از برج دیده بانی خود بالا می روم و منتظر می مانم تا ببینم خداوند به شکایت من چه جواب می دهد.

خداوند به من فرمود: "آنچه را به تو نشان می دهم با خطی درشت و خوانا بر تخته سنگی بنویس تا هر کس بتواند با یک نگاه آن را بخواند. اگر چه آنچه به تو نشان می دهم در حال حاضر اتفاق نمی افتد، ولی مطمئن باش که سرانجام در وقت معین بوقوع خواهد پیوست. هر چند تا وقوع آن، مدت زیادی طول بکشد، ولی منتظر آن باش، زیرا وقوع آن حتمی و بدون تأخیر خواهد بود.

این را بدان که بدکاران نابود خواهند شد زیرا به خود متکی هستند، اما درستکاران زنده خواهند ماند زیرا به خدا ایمان دارند."

*This is the word of the Lord*

*A reading from St Paul's second letter to Timothy:*

From Paul, an apostle of Christ Jesus by the will of God,  
for the sake of the promise of life that is in Christ Jesus,  
to Timothy, my beloved child:

Grace, mercy, and peace from God the Father and Christ Jesus our Lord.

I am grateful to God--whom I worship with a clear conscience, as my ancestors did--  
when I remember you constantly in my prayers night and day.

Recalling your tears, I long to see you so that I may be filled with joy.

I am reminded of your sincere faith,

a faith that lived first in your grandmother Lois and your mother Eunice  
and now, I am sure, lives in you.

For this reason I remind you to rekindle the gift of God that is within you  
through the laying on of my hands;

for God did not give us a spirit of cowardice,

but rather a spirit of power and of love and of self-discipline.

Do not be ashamed, then, of the testimony about our Lord or of me his prisoner,  
but join with me in suffering for the gospel,

relying on the power of God, who saved us and called us with a holy calling,  
not according to our works but according to his own purpose and grace.

This grace was given to us in Christ Jesus before the ages began,

but it has now been revealed through the appearing of our Saviour Christ Jesus,  
who abolished death and brought life and immortality to light through the gospel.

For this gospel I was appointed a herald and an apostle and a teacher,  
and for this reason I suffer as I do.

But I am not ashamed, for I know the one in whom I have put my trust,  
and I am sure that he is able to guard until that day what I have entrusted to him.

Hold to the standard of sound teaching that you have heard from me,  
in the faith and love that are in Christ Jesus.

Guard the good treasure entrusted to you,  
with the help of the Holy Spirit living in us.

*This is the word of the Lord.*